



हंसराज कॉलेज
— दिल्ली विश्वविद्यालय —

HANSRAJ COLLEGE
University Of Delhi
NAAC Grade A+ with CGPA 3.62

2021-2022

Name of the Department/Society: हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज महाविद्यालय
Name of the Event 4: स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य
Date of the Event: 12-11-2021

प्रभारी : डॉ. नीतू शर्मा

परामर्शदाता : डॉ. राजेश कुमार शर्मा

हिंदी विभाग
हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
आयोजित
राष्ट्रीय संगोष्ठी सह पुस्तक लोकार्पण
स्वाधीनता आन्दोलन और हिंदी साहित्य
पुस्तक
'स्वाधीनता आन्दोलन और हिंदी कहानी'
लेखिका : डॉ. रागिनी सांकृत
प्रकाशक : हंस प्रकाशन, दिल्ली
साम्निध्य
प्रो. रमा
प्राचार्या, हंसराज कॉलेज, दिल्ली
आमंत्रित वक्ता
प्रो. अभय कुमार दुबे
विख्यात पत्रकार व सामाजिक चिंतक
डॉ. सूर्य नाथ सिंह
वरिष्ठ साहित्यिक संपादक, जनसत्ता
12 नवम्बर 2021, प्रातः 11.00 बजे
स्थान : संगोष्ठी कक्ष, हंसराज कॉलेज, दिल्ली।

डॉ. नीतू शर्मा प्रभारी, हिंदी विभाग	संयोजक डॉ. राजेश कुमार शर्मा परामर्शदाता, हिंदी साहित्य परिषद्	समन्वयक डॉ. महेन्द्र प्रजापति
--	--	----------------------------------



हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज महाविद्यालय द्वारा संचालित 12 नवंबर 2021 को "स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में "स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी कहानी" नामक पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया जिसकी लेखिका डॉ. रागिनी सांकृत हैं कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता के तौर पर विख्यात पत्रकार एवं सामाजिक चिंतक प्रो. अभय कुमार दुबे तथा डॉ. सूर्य नाथ सिंह वरिष्ठ साहित्यिक संपादक, जनसत्ता उपस्थित थे। हंसराज महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रमा ने आमंत्रित लेखिका एवं वक्ताओं का स्वागत संबोधन करके स्वागत किया। प्रो. अभय कुमार दुबे कहते हैं - "भारत-भारती" के रचयिता मैथिलीशरण गुप्त 'राष्ट्रकवि' कहलाए, तो वहीं माखनलाल चतुर्वेदी ने 'पुष्प की अभिलाषा' लिखकर जनमानस में सेनानियों के प्रति सम्मान के भाव जागृत किए। मैथिलीशरण गुप्त की कुछ पंक्तियों को बताते हुए "जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है।

वह नर नहीं, नर-पशु निरा है और मृतक समान है" प्रो. अभय कुमार दुबे जी ने इसी प्रकार अन्य कवियों तथा उनके योगदान को बताते हुए एक बात कहते हैं कि किस प्रकार स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य आपस में जुड़े हुए हैं।



हंसराज कॉलेज
— दिल्ली विश्वविद्यालय —

HANSRAJ COLLEGE
University Of Delhi
NAAC Grade A+ with CGPA 3.62

कार्यक्रम में डॉ. सूर्य नाथ सिंह सुभद्रा कुमारी चौहान की रचना 'झांसी की रानी' किस प्रकार अंग्रेजों को ललकारती हुई दिखाई दे रही है उस पर बात करते हैं। हंसराज महाविद्यालय में संपन्न हुए इस कार्यक्रम का संचालन हंसराज महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. महेंद्र प्रजापति ने किया इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बह चढ़कर भाग लिया।